हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 195 देहरादून, शुक्रवार, 26 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

निःसंतान दम्पतियों के लिये वरदान बनी एआरटी सुविधा 3

मुख्यमंत्री धामी ने रुड़की में आयोजित नमो नवमतदाता सम्मेलन में किया प्रतिभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूड़की , 26 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को रूड़की कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में आयोजित नमो नवमतदाता सम्मेलन में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने सभी नव मतदाताओं से अपील की कि अपने मत का प्रयोग अवश्य करें और सबको मत का प्रयोग करने के लिए जागरूक भी करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वोट का सबसे अधिक महत्व होता है।

मतदाता ही देश के भाग्य विधाता हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की सबसे अहम भूमिका होगी। मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें। जो मताधिकार के प्रयोग के लिए योग्य हो चुके हैं, अपना पंजीकरण कर मतदान करने

का अधिकार लें। मतदान करने का पवित्र कार्य सभी को करना चाहिए।

हमारी सोच होनी चाहिए कि पहले मतदान, फिर जलपान। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ी है, इसके परिणामस्वरूप मतदान का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाये जाते हैं। हमारे युवाओं को भी स्कूल, कॉलेजों, संस्थानों और विभिन्न क्षेत्रों में जाकर इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने होंगे।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप बत्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष हरिद्वार किरण चौधरी, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, भाजपा के युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक रावत, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष गौरव कौशिक, भाजपा के जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जनवरी , मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे स्वाधीनता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का स्मरण भी कराता है। यह अवसर हमें देशभक्तों के सपनों को साकार करने और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध होने का संकल्प लेने की भी प्रेरणा देता है। संविधान के अंतर्गत ही हम सभी की जिम्मेदारी यह भी है कि हम न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के मूलभूत लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लिए बनाई गई 5 सदस्यों की कमेटी ने ड्राफ्ट पूरा कर लिया है। ड्राफ्ट मिलते ही जल्दी विधानसभा का सत्र बुलाकर विधानसभा में समान नागरिक संहिता का कानून पूरे उत्तराखण्ड में लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय की भावना के साथ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के विकास, कल्याण और उन्नति हेतु संकल्पबद्ध है। जीरो टॉलरेंस आन करप्शन की नीति का अनुसरण कर राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। जनसेवा से संबंधित अधिकांश सेवाएं ऑनलाईन की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मागदर्शन में उत्तराखण्ड को 2025 तक देश के अग्रणी राज्यों के श्रेणी में लाने के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है। राज्य की आर्थिकी को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए 3.56 लाख करोड़ के करारों को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्यवाही गतिमान है। राज्य में निवेश के लिए निवेशकों ने जो उत्साह दिखाया है, आने वाले समय में इससे स्थानीय स्तर पर लोगों के रोजगार के संसाधन तेजी से बढ़ेंगे और पलायन पर भी नियंत्रण होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की मातृशक्ति का सम्मान भी हमारे लिये सर्वोपरि है। राज्य सरकार ने सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्राविधान किया है। राज्य में महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री लखपति दीदी योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत राज्य की 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का आह्वान किया।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी शुरू खत्म हुआ बारिश का इंतजार

देहरादून 26 जनवरी : उत्तराखंड में ठंड से राहत नहीं मिल रही। इस बार दिसंबर की तरह जनवरी भी बारिश के इंतजार में बीत रहा है।जनवरी में अब तक ऊंचाई वाले इलाकों में एक-दो दिन छोड़ विंटर बारिश नहीं हुई। जिसके चलते मैदानी इलाकों में कोहरे का प्रकोप बढ़ गया है। कोहरे की वजह से मैदानी इलाकों में पहाड़ों के मुकाबले अधिक ठंड पड़ रही है। प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों बीती दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और बदरीनाथ, केदारनाथ व हेमकुंड साहिब में हल्की बर्फबारी हुई। चोटियों पर हो रही ताजा बर्फबारी से तापमान लगातार गिर रहा है। बारिश को लेकर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से ताजा अपडेट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार 28 जनवरी के बाद मौसम में बदलाव होने से बारिश की संभावना है। बारिश होने के बाद ही सूखी और गलन वाली ठंड से राहत मिलेगी। मैदानी इलाकों में 25 जनवरी के बाद कोहरे से राहत मिलने की भी बात कही गई है। बात करें मौसम की तो मैदानी इलाकों में भी कोहरे से राहत मिलने की संभावना नहीं है। सुबह-शाम के साथ ही रात को कोहरा छाने से गलन वाली ठंड पड़ेगी। बीती शाम तक ताजा पश्चिमी विक्षोभ उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में दस्तक दे सकता है। जिससे उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और आसपास के क्षेत्रों में हल्की वर्षा के आसार हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किए जाने की संभावना है।

फूलों और भौंरे के रिश्तों में आईं दूरियां, रिसर्च में खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जनवरी , दुनिया में एक अमर प्रेम कहानी अब खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है। भंवरे ने खिलाया फूल फूल ले गया कोई राजकुमार... 'प्रेम रोग' फिल्म का यह गाना आपने जरूर सुना होगा। इस गाने में फूल और भौंरा यानी फूल-कीट के प्रेम संबंध को बताया गया है। यहां फूल-भौंरा दोनों एक दूसरे से कनेक्ट हैं। बिना फूल पर बैठे न तो भौंरा रह पाता है और बिना भौंरा के फूल की सुंदरता भी नहीं बढ़ पाती है।फूलों और कीटों के बीच बहुत पुराना संबंध है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से धीरे-धीरे इनके रिश्तों में दूरियां आ रही हैं। पहले फूलों पर कीट परागण की प्रक्रिया बहुत होती थी। न्यू फाइटोलॉजिस्ट जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि फूल अब परागण की प्रक्रिया कम करते हैं, जिससे कीटों की संख्या में गिरावट आ रही है। परागण का संबंध कीट-पंतगो जैसे तितली, भंवरा, मधुमक्खी मक्खी, ततैया से है, जो फूलों पर बैठकर उसकी सुंदरता बढ़ाते हैं।

अब बिना परागण के विकसित हो रहे फूल

शोधकर्ताओं ने पाया कि पेरिस के पास स्थित फील्ड पैन्सी के फूल 10 प्रतिशत छोटे हो रहे हैं, जिससे उनमें से 20 प्रतिशत कम अमृत या रस निकल रहे हैं। साथ ही अध्ययन में यह पता चला है कि अब फूल बिना परागण के ही विकसित हो रहे हैं। वे अब स्वतः ही परागण की प्रक्रिया कर रहे हैं। अर्थात अब बिना भौंरे के फूल अपनी सुंदरता बढ़ा रहा है, लेकिन भविष्य में पर्यावरणीय परिवर्तनों से उनकी यह प्रक्रिया सीमित हो सकती है।

जानें फूल-भौंरा का क्या है संबंध

फूल अपनी सुदंरता से कीट पतंगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इसके बाद कीट परागण क्रिया करती हैं और फूलों को और अधिक सुंदर एवं आकर्षित बना देते हैं। कई पुष्पों में कीटों के लिए खाद्य पदार्थ भी निर्मित होते हैं। फूलों और भौंरा दोनों एक-दूसरे के आसपास रहते हैं।

भारत की पहली रिपब्लिक परेड कहां और कब हुई थी?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जनवरी , प्रत्येक देशवासी गणतंत्र दिवस को बड़े ही जोश और उत्साह के साथ मनाता है। इस दिन नई दिल्ली के राजपथ पर भव्य परेड कराई जाती है। इस परेड में भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना आदि की विभिन्न रेजिमेंट भाग लेकर मार्च-पास्ट और विभिन्न राज्यों की विविधता और संस्कृति को दर्शाती हुई झांकियां करती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि सबसे पहले गणतंत्र दिवस की परेड कब और कहां की गई थी। पहली बार हुए रिपब्लिक परेड का चीफ गेस्ट कौन था। आज हम आपको ऐसे ही रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं। गणतंत्र दिवस देश के उस दिन को बताता है जब भारत का संविधान लागू हुआ। वहीं 15 अगस्त, 1947 को देश गुलामी के चंगुल से आजाद होकर एक संप्रभु राज्य बना। भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को संविधान सभा द्वारा बनाया गया था।

पहली बार परेड साल 1955 में हुई थी Republic Day Fact

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 26 जनवरी 1950 को भारतीय गणराज्य के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। 26 जनवरी, 1950 में पहली बार रिपब्लिक परेड मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में हुई थी।

उस समय इस स्टेडियम को इरविन एम्फीथिएटर (महिलाओं के कानूनी अधिकार) के नाम से जाना जाता था।आपको यह जानकर हैरानी होगी होगी कि साल 1950 से लेकर 1954 तक गणतंत्र परेड चार अलग-अलग जगह पर हुई थी। यह परेड किंग्सवे कैंप,लाल किला तो कभी रामलीला मैदान में आयोजित कराई गई थी।

राजपथ पर पहली बार परेड साल 1955 में हुई थी। उस समय इस पथ को किंग्सवे के नाम से जाना जाता था। तब से हर साल 26 जनवरी का आयोजन राजपथ यानी कर्तव्य पथ पर किया जाता है। गणतंत्र दिवस के खास मौके पर भारत के राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज को फहराते हैं। नेशनल फ्लैग फहराने के बाद भारतीय सेना की 21 तोपों की सलामी दी जाती है। पहले गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो थे।

किसानों को बिजली आपूर्ति के लिये बड़ा आंदोलन करेंगे : पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 26 जनवरी : रुड़की में और आस पास के ग्रामीण भगवानपुर मंगलोर ज्वालापुर झबरेड़ा में बहुत ज़्यादा विद्युत कटौती को ले कर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने SE बिजली विभाग के रुड़की कार्यालय पर स्थानीय कांग्रेसियों के साथ दो घंटे का धरना दिया उन्होंने चेतावनी दी कि आम जनमानस की समस्या को लेकर वो बहुत चिंतित है आज पूरे प्रदेश में बिजली का संकट बहुत बढ़ गया है। ऊर्जा प्रदेश होने के बावजूद आज उत्तराखंड में बिजली आपूर्ति का संकट ये सोचने को मजबूर कर रहा है आखिर हमारे प्रदेश के किसानों की और आम जनमानस के हिस्से की बिजली आख़िर कहां जा रही है। उन्होंने कहा कि वह जल्दी ही किसानों को बिजली आपूर्ति के लिये बड़ा आंदोलन करेंगे। धरने के बाद बिजली विभाग के SE को एरिया की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन दिया SE ने जल्दी से जल्दी समस्याओं का समाधान करने के लिये बोला।

इस अवसर पर विधायक फुरकान अहमद ,विधायक ममता राकेश ,विधायक वीरेंद्र जाती ,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक काजी निजामुद्दीन ,अखिल

भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय सचिव उत्तराखंड प्रभारी मुज़तबा मलिक एडवोकेट ,पूर्व विधायक रामयश सिंह ,कांग्रेस हरिद्वार ग्रामीण के अध्यक्ष राजीव चौधरी ,रुड़की महानगर के अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी एडवोकेट ,कांग्रेस नेता सचिन गुप्ता ,प्रदेश सचिव पंकज सैनी,प्रदेश सचिव संजय सैनी,क़लीमख़ान ,मनोज चौधरी ,फरमान मलिक प्रधान ,ओबीसी प्रदेश सचिव मोहसीन गोड़ ,नासिर परवेज़ ,राव आफ़ाक़ ,राव फरमूद ,राव शेर मोहम्मद ,परवेज आलम मलिक ,राज सिंह साध ,चंदन जीना ,संजय बर्गली ,सुमित रावत आदि मौजूद रहे

हरिद्वार गंगा नदी में शैतान औरत का तांडव बच्चे की मौत !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जनवरी , हरिद्वार से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई हैं. यहां एक महिला का अंधविश्वास उसके कैंसर पीड़ित भतीजे के लिए काल बन गया. महिला को उम्मीद थी कि हरकी पैड़ी गंगा में डुबकियां लगाने से वह ठीक हो जाएगा. लेकिन जब बच्चें को गंगा से बाहर निकाला गया तब तक उसकी मौत हो गई थी. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है.

कैंसर पीड़ित बच्चे को चाची ने गंगा में डुबोया !

मंत्रों का जाप करते रहे परिजन , पुलिस की छानबीन से पता चला है कि दिल्ली के सोनिया विहार के रहने वाले बच्चे को ब्लड कैंसर था और उसका इलाज सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा था. लेकिन बच्चे के परिवार को उम्मीद थी कि वह गंगा में डुबकी लगाने से ठीक हो जाएगा. पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब बच्चे के अभिभावक हर की पौड़ी के किनारे मंत्रों का जाप कर रहे थे तो उसकी चाची ने उसे गंगा में डुबाए रखा, बच्चा चीखता रहा लेकिन उन्होंने नजरअंदाज कर दिया. ऐसे में दम घुटने से उसकी मौत हो गई.

शव के सामने हंस रही थी चाची

पुलिस ने बताया कि बच्चे की मौत होने के बाद महिला शव को घाट पर लेकर बैठ गई थी. वह कभी हंस रही थी, तो कभी वहां मौजूद लोगों को

भगा रही थी. इतना ही नहीं वह तो यह दावा भी कर रही थी कि बच्चा अभी जिंदा होकर खड़ा हो जाएगा. लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ. फिलहाल, पुलिस गंगाराम अस्पताल की रिपोर्ट की जांच कर रही है और इस मामले में चाची समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है.

रवि ब्लड कैंसर से पीड़ित थे और उनका दिल्ली में इलाज चल रहा था। चार दिन पहले उन्हें एम्स अस्पताल ले जाया गया था. वहां डॉक्टरों ने बच्चे की हालत को देखते हुए उन्हें घर जाने की सलाह दी। इसके बाद वह बच्चे को हरिद्वार ले आया।यहां उनकी पत्नी शांति और शांति की बहन सुधा कार से हरिद्वार पहुंचीं। चमत्कार की आशा में तीनों हरकी पैडी ब्रह्मकुंड पहुंचे और यहां शिशु स्नान किया। हालांकि उनका ये भी कहना है कि बच्चे की मौत पहले ही हो चुकी थी.

निःसंतान दम्पतियों के लिये वरदान बनी एआरटी सुविधा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 26 जनवरी , सूबे में एआरटी अधिनियम-2021 एवं सरोगेसी एक्ट-2021 के सुखद परिणाम देखने को मिल रहे हैं। दोनों एक्टों के लागू होने के उपरांत राज्य में 1938 दंपतियों ने सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (एआरटी) के विकल्प का लाभ सफलतापूर्वक उठाया है। राज्य में संतान सुख पाने में असमर्थ विवाहित दंपत्ति एवं महिलाओं की कुछ श्रेणियों (एकल और अविवाहित) के लिये एआरटी वरदान साबित हो रहा है।सूबे के स्वास्थ्य विभाग ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सरोगेसी एक्ट एवं एआरटी एक्ट-2021 लागू होने के उपरांत लाभार्थियों की मांगी गई रिपोर्ट के क्रम में विगत दो वर्षों के आंकड़े भारत सरकार को भेज दिये हैं।

प्रदेश में निःसंतान दम्पतियों के चेहरों पर मुस्कान लौट रही है। उनके सूने आंगन बच्चों की खिलखिलाहट से गूंज रहे हैं। यह सब एआरटी अधिनियम-2021 व सरोगेसी एक्ट-2021 के लागू होने और इसके ठोस क्रियान्वयन से सम्भव हो पाया है। वर्ष 2021 में देश के साथ-साथ प्रदेश में एआरटी व सरोगेसी एक्ट लागू हुआ। जिसके अंतर्गत प्रदेश में पंजीकृत 22 एआरटी क्लीनिकों के माध्यम से सूबे के 1938 दम्पतियों ने सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (एआरटी) के विकल्प का लाभ सफलतापूर्वक उठाया है।

जिसमें सर्वधिक 726 दम्पतियों ने इंदिरा आईवीएफ में एआरटी का लाभ लिया। इसके अलावा नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी में 168, केयर आईवीएफ यूनिट में 165, फुटेला फर्टिलिटी सेंटर 137, उत्तरांचल टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर 103, जेनेसिस आईवीएफ 83, मॉर्फिअस प्रसाद इंटरनेशनल आईवीएफ सेंटर 68, सुभारती हॉस्पिटल एंड आईवीएफ सेंटर 66, वृंदा फेमिकेयर फर्टिलिटी एलएलपी 57, वैश्य नर्सिंग होम एआरटी क्लीनिक में 54, श्री महंत इंद्रेश हॉस्पिटल आईवीएफ सेंटर 53, निदान फर्टिलिटी क्लीनिक 45, ऑली हास्पिटल फर्टिलिटी रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक सेंटर 42, आशीर्वाद हेल्थकेयर एवं फर्टिलिटी सेंटर 41, आईवीएफ सेंटर एम्स ऋषिकेश 28, लूथरा नर्सिंग होम 24, रेवती नर्सिंग होम 22, काला फर्टिलिटी 03 एवं मदर केयर सेंटर में 02 दम्पतियों ने एआरटी का लाभ लिया।

भारत सरकार ने हाल ही में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से उन दंपतियों और एकल तथा अविविवाहित महिलाओं का आंकड़ा मांगा है जिन्होंने सरोगेसी अधिनियम-2021 एवं एआरटी-2021 लागू होने के बाद से सरोगेसी व एआरटी का सफलतापूर्वक लाभ उठाया है ताकि सरकार कानून के कामकाज का आंकलन कर सके। इस बावत प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में एआरटी का लाभ उठाने वाले सभी 1938 दम्पतियों की जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को भेज दी है।

डा. धन सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री कहते हैं कि राज्य में सरोगेसी एक्ट-2021 एवं एआरटी एक्ट-2021 के ठोस क्रियान्वयन का नतीजा है कि प्रदेश में पंजीकृत क्लीनिकों के माध्यम से अब तक 1938 दम्पतियों ने एआरटी का सफलतापूर्वक लाभ उठाया है। इन एक्टों के तहत केवल संतान सुख पाने में असमर्थ विवाहित दंपत्ति और महिलाओं की कुछ श्रेणियों (एकल और अविवाहित) को ही एआरटी और सरोगेसी का लाभ उठाने की अनुमति है।

मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जनवरी : कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कैंप कार्यालय में कृषि एवं उद्यान विभाग की बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने पिछली बैठक में दिए गए दिशा निर्देशों तथा केंद्र पोषित एवं राज्य पोषित योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन के क्रम में विभाग द्वारा सभी फल, पौध, बीज, खाद, कृषि उपकरण दवाइयां इत्यादि का वार्षिक कैलेंडर तैयार कर दिया गया है। मंत्री गणेश जोशी द्वारा पिछली बैठक में अधिकारियों को बीज, फल पौध के टेंडर प्रक्रिया समय पर किए जाने के निर्देश के क्रम में अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया की शीतकालीन फलदार पौध तथा सब्जियों के बीज के टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है और शेष गतिमान है। मंत्री ने विभाग द्वारा जारी किया गया वार्षिक कैलेंडर को समस्त जनपदों के संबंधित विभाग के अधिकारियों तथा प्रदेश के 95 ब्लॉकों में ब्लॉक स्तर फ्लैक्स के माध्यम से प्रचार

प्रसार किए जाए। ताकि किसानों को जानकारी मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को कैलेंडर के अनुरूप कार्य करने के भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मंत्री ने अधिकारियों को 07 फरवरी को देहरादून में प्रस्तावित किसान मेले के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मंत्री ने अधिकारियों को समय पर टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को वर्षाकालीन पौधे को किसानों काश्तकारों को समय वितरित करने के निर्देशित किया गया। मंत्री ने प्राकृतिक तथा जैविक खेती के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सेब के अतिरिक्त कीवी पर भी विशेष ध्यान देने और किसानों को भी कीवी उत्पादन हेतु प्रोत्साहित किया जाए। मंत्री ने सीमांत क्षेत्रों में अखरोट उत्पादन के लिए भी अधिकारियों को जल्द एक्शन प्लान तैयार करने की भी निर्देश दिए गए। मंत्री ने अधिकारियों को चौबटिया गार्डन के रिसर्च सेंटर पुनर्जीवित तथा ट्रेनिंग सेंटर को पुनः सुचारू करने के लिए अस्थाई तौर पर बाह्य स्रोतन के माध्यम से शीघ्र भर्ती कर ट्रेनिंग सेंटर को सुचारू किया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।इस अवसर पर सचिव कृषि विनोद कुमार सुमन, कृषि महानिदेशक,रणवीर सिंह चौहान, उद्यान निदेशक दीप्ति सिंह, आर.के.सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मतदाता दिवस पर दून पुलिस की शपथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जनवरी : "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में 14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पुलिस लाइन देहरादून में अपने अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाकर देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने व स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गयी।इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त कार्यालयो /थाना /चौकियों पर नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों को भी मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ

हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

देहरादून : 26 जनवरी को परेड ग्राउंड के चारों ओर रहेगा जीरो-जोन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जनवरी : गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियों के बीच यातायात पुलिस ने ट्रैफिक और डायवर्जन प्लान भी जारी कर दिया है। गणतंत्र दिवस पर परेड के दौरान परेड ग्राउंड के चारों ओर पूरी तरह से जीरो जोन रहेगा। यहां पर कोई वाहन, रेहड़ी व ठेलियां नहीं चलेंगी। इसके साथ ही ग्राउंड के आसपास के खाली मैदानों को वाहनों की पार्किंग के लिए चिह्नित किया गया है।

एसपी ट्रैफिक सर्वेश पंवार ने आमजन से इस दौरान वैकल्पिक मार्गों के प्रयोग की अपील की है। गणतंत्र दिवस परेड के सभी प्रतिभागी, आर्मी, पैरामिलिट्री फोर्स, पुलिस, होमगार्ड, कार्यक्रम देखने आने वाले नागरिक आदि अपने वाहन रेंजर्स ग्राउंड, मंगला देवी इंटर

कॉलेज, आईआरडीटीए ऑडिटोरियम में खड़े करेंगे। यहां से सभी को पैदल परेड ग्राउंड तक पहुंचना होगा।

यह रहेगी पार्किंग व्यवस्था

- धर्मपुर, दर्शन लाल चौक, दून चौक की ओर आने वाले सभी वाहन रेंजर्स ग्राउंड में पार्क होंगे।

- सर्वे चौक की ओर से आने वाले वाहन मंगला देवी इंटर कॉलेज में खड़े किए जाएंगे।

- राजपुर रोड से परेड मैदान में आने वाले लोगों के वाहनों को लॉर्ड वेंकटेश वेडिंग प्वाइंट में खड़ा किया जाएगा।

यहां रहेंगे बैरियर

आउटर प्वाइंट : ईसी रोड सर्वे चौक, मनोज क्लीनिक, बुद्धा चौक, दर्शन लाल चौक, ओरिएंट चौक, पैसिफिक तिराहा।इनर प्वाइंट : रोजगार तिराहा, कनक चौक, डूंगा हाउस, लैंसडौन चौक, कान्वेंट रोड तिराहा।(नोट : पास धारकों को छोड़कर इनर प्वाइंट से कोई भी वाहन परेड ग्राउंड की ओर नहीं जाएगा।)

विक्रमों के लिए डायवर्जन

- दो नंबर रूट के सभी विक्रम सहस्त्रधारा क्रॉसिंग से वापस जाएंगे।- तीन नंबर रूट के विक्रम तहसील चौक से एमकेपी की ओर भेजे जाएंगे।- पांच और आठ नंबर रूट के सभी विक्रम रेलवे गेट से वापस भेजे जाएंगे।- प्रेमनगर रूट के सभी विक्रम प्रभात कट से वापस कर दिए जाएंगे।- राजपुर रोड के विक्रम ग्लोब चौक से पैसिफिक तिराहा होते हुए बेनी बाजार से वापस राजपुर रोड पर भेजे जाएंगे।

सिटी बसों के लिए व्यवस्था

- आईएसबीटी राजपुर रोड की ओर जाने वाली सिटी बसें दर्शन लाल चौक से घंटाघर होते हुए राजपुर रोड जाएंगी।- रिस्पना की ओर आने वाली सिटी बसें तहसील चौक से वापस दून चौक फिर यहां से एमकेपी चौक से आराघर की ओर जा सकेंगी।- रायपुर रोड वाली बसें सहस्त्रधारा क्रॉसिंग से सहस्त्रधारा रोड से आईटी पार्क से राजपुर रोड घंटाघर तक आएंगी।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

हार्दिक शुभकामनाएं

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री

केदारनाथ बदरीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए के पुनर्निर्माण/पुनर्विकास कार्य, चारधाम यात्रा के दौरान रिकॉर्ड 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन।

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन ।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन का अवार्ड।

रेल कनेक्टिविटी : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन, टनकपुर बागेश्वर रेल लाईन।

4000 से अधिक होम-स्टे विकसित, 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन।

रोड कनेक्टिविटी : चारधाम ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड व अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास।

रोप-वे कनेक्टिविटी : पर्वतमाला परियोजना, गौरीकुण्ड-केदारनाथ रोप-वे कनेक्टिविटी, गोविन्द घाट-हेमकुण्ड, सुरकण्डा देवी रोप-वे।

जमरानी बांध परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी ने दी मंजूरी।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के लिये 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू।

स्टेट मिलेट मिशन में स्थानीय कृषकों से झंगोरा, मंडुवा, सोयाबीन एवं चौलाई का उचित मूल्य पर क्रय।

राजकीय विद्यालयों के साथ राजकीय सहायता प्राप्त (अशासकीय) विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें।

2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलेपमेंट।

मिशन एप्पल के तहत राज्य में सेब के 500 बगीचों की स्थापना का लक्ष्य है। मिशन एप्पल का बजट दुगुना।

राज्य में सोलर पॉवर उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु नई सौर ऊर्जा नीति लागू।

अन्त्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत वर्ष में 3 गैस सिलैण्डर रिफिल मुफ्त।

- देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून ।
- लखपति दीदी योजना के तहत 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य।
- पलायन रोकने तथा रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने हेतु "मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना"।
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना व मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना ।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरू, एरोमा पार्क व एरोमा वैली ।
- राज्य में शहीद सैनिकों के परिवारों के एक सदस्य को रोजगार तथा विशिष्ट सेवा मेडल अवार्ड राशि में बढ़ोत्तरी।
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण ।
- दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत किसानों को 3 लाख और स्वयं सहायता समूहों को ₹ 5 लाख तक की धनराशि का ब्याज रहित ऋण ।
- हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार पॉलीहाउस का बजट प्रावधान ।
- राज्य के युवाओं के लिए "विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन" ।
- समान नागरिक संहिता के लिये प्रभावी पहल ।
- अटल आयुष्मान योजना में 5 लाख रूपये तक का निशुल्क इलाज ।

हार्दिक शुभकामनाएं

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर सिह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री

केदारनाथ बदरीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए के पुनर्निर्माण/पुनर्विकास कार्य, चारधाम यात्रा के दौरान रिकॉर्ड 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन।

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन का अवार्ड।

रेल कनेक्टिविटी : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन, टनकपुर बागेश्वर रेल लाईन।

4000 से अधिक होम-स्टे विकसित, 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन।

रोड कनेक्टिविटी : चारधाम ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड व अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास।

रोप-वे कनेक्टिविटी : पर्वतमाला परियोजना, गौरीकुण्ड-केदारनाथ रोप-वे कनेक्टिविटी, गोविन्द घाट-हेमकुण्ड, सुरकण्डा देवी रोप-वे।

जमरानी बांध परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी ने दी मंजूरी।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के लिये 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू।

स्टेट मिलेट मिशन में स्थानीय कृषकों से झंगोरा, मंडुवा, सोयाबीन एवं चौलाई का उचित मूल्य पर क्रय।

राजकीय विद्यालयों के साथ राजकीय सहायता प्राप्त (अशासकीय) विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें।

2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलेपमेंट।

मिशन एप्पल के तहत राज्य में सेब के 500 बगीचों की स्थापना का लक्ष्य है। मिशन एप्पल का बजट दुगुना।

राज्य में सोलर पॉवर उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु नई सौर ऊर्जा नीति लागू।

अन्त्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत वर्ष में 3 गैस सिलैण्डर रिफिल मुफ्त।

- देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून।
- लखपति दीदी योजना के तहत 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य।
- पलायन रोकने तथा रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने हेतु "मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना"।
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना व मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरू, एरोमा पार्क व एरोमा वैली।
- राज्य में शहीद सैनिकों के परिवारों के एक सदस्य को रोजगार तथा विशिष्ट सेवा मेडल अवार्ड राशि में बढ़ोत्तरी।
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण।
- दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत किसानों को 3 लाख और स्वयं सहायता समूहों को ₹ 5 लाख तक की धनराशि का ब्याज रहित ऋण।
- हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार पॉलीहाउस का बजट प्रावधान।
- राज्य के युवाओं के लिए "विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन"।
- समान नागरिक संहिता के लिये प्रभावी पहल।
- अटल आयुष्मान योजना में 5 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

मित्र दिवस की पूर्व संध्या पर सजी कविता शायरी की महफिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कविता शायरी संगम कार्यक्रम का आयोजन इंदौर रोड स्थित तस्मिया हाल में किया गया जिसमें कवियों व शायरों ने कविता एवं शायरी पाठ किया।मौके पर मनचासी अतिथियों में हिमालय वैलनेस कंपनी के अध्यक्ष डॉक्टर एस फारूक राज्य मंत्री मधु भट्ट राज्य मंत्री विश्वास डाबर एवं बनी उत्तराखंड के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अरविंद अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद रहे। ता एवं शायरी पाठ करने वालों में ममता सिंह सनदल, मीरा नवेली , डाक्टर प्राची चंद्रा, शादाब मशहदी, रिफत शाकेब, वीरेंद्र डंगवाल, मिनी गुप्ता, पूजा ओबेरॉय, इरा मठपाल, तसनीमा कौसर, दानिश देहलवी, नूपुर गुप्ता, इफ्तेखार सागर, जसबीर चौधरी हलदर, फैमस खतौलवी, दीपाली डोभाल, हिमानी सकलानी, स्मृति हरी मौजूद रहे। इस मौके पर डॉक्टर प्राची कंडवाल को उनके गाने आ गए भगवान जो कि जुबिन नौटियाल द्वारा गाया गया है के लिए भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के बारे में तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट की फाउंडर प्रिया गुलाटी ने गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए सभी से आग्रह किया कि इस गणतंत्र दिवस पर यह प्रण लिया जाए कि वह भारत के संविधान को सर्वोपरि रखते हुए उसके अधीन ही कार्य करेंगे और देश को विकास की ओर बढ़ाएंगे। कार्यक्रम का संचालन परवेज गाज़ी ने किया वहीं कार्यक्रम में तेजस्विनी के संरक्षक राम गोयल, सोना कौशल गुप्ता, साधना शर्मा, तेजस्विनी की देहरादून चैप्टर है त्रिशला मालिक सहित रजनी शर्मा किरण सिंह आचार्य वर्षा माटा आदि मौजूद रहे।

देहरादून : साइबर ठगों के जाल में फंसी महिला डॉक्टर

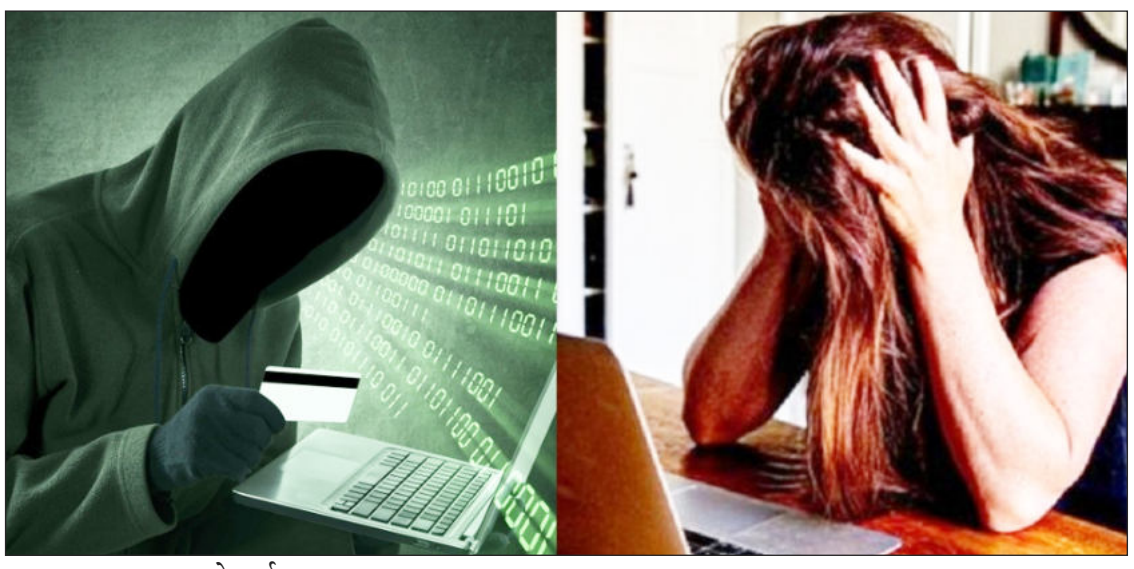

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जनवरी : उत्तराखंड में साइबर क्राइम के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस बार ठगों ने देहरादून की एक महिला डॉक्टर को अपना शिकार बनाया और उससे लाखों रुपये लूट लिए। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। साइबर ठगों ने महिला डॉक्टर को पार्ट टाइम जॉब का झांसा दिया था। पीड़ित स्नेहा बडोला हरिद्वार बाईपास क्षेत्र में रहती हैं। स्नेहा ने बताया कि वो डॉक्टर हैं। 6 जनवरी को पीड़ित के मोबाइल पर एक व्हाट्सएप मैसेज आया, जिसमें बताया गया कि वह गूगल मार्केटिंग इंडिया कॉरपोरेशन से बात कर रहे हैं।

स्नेह से कहा गया कि वो गूगल के ऑनलाइन रिव्यू के लिए सैलरी पर काम करें। स्नेहा भी झांसे में आ गई और ऑनलाइन काम शुरू कर दिया। शुरुआत में रिव्यू करने पर पीड़ित ने 1000 रुपये लगाए, इसके एवरेज में उनके खाते में पांच हजार रुपये आ गए थे। खाते में पेमेंट आई तो स्नेहा को लगा कि गूगल ही उनसे काम करा रहा है। 8 जनवरी को पीड़ित से कांटेक्ट पूरा करने के एवज में 20 हजार रुपये मांगे गए। बाद में दो लाख रुपये जमा करने को कहा गया।

ये भी कहा कि कमीशन के तौर पर दो लाख 60 हजार रुपये वापस आएंगे। स्नेहा ठगों के जाल में फंस चुकी थी और उसने आरोपियों के बताए खाते में चार लाख 15 हजार रुपये जमा करा दिए। 8 जनवरी को भी जब पीड़ित के पैसे वापस नहीं आए तो उसने कॉल किया। आरोपी ने तब 6 लाख रुपये मांगे। इसके बाद स्नेहा पूरा खेल समझ गई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बहरहाल पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मतदाता दिवस पर चमोली पुलिस की शपथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 26 जनवरी : "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" के अवसर पर पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव द्वारा भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में 14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पुलिस कार्यालय गोपेश्वर में अपने अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाकर देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने व स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गयी।

इसके अतिरिक्त के निर्देशानुसार पुलिस लाइन मे पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह, क्षेत्राधिकारी पेशी कर्णप्रयाग में पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित सैनी व जनपद के समस्त थाना/ चौकी व अग्निशमन केंद्रों के प्रभारियों द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारियों को मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ

हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

निर्देशक और निदेशक में क्या है अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जनवरी : हिंदी भाषा में कई ऐसे शब्द होते हैं जिनके लिए अंग्रेजी में एक ही शब्द का इस्तेमाल होता है. ऐसे में दो अलग अलग शब्दों का अर्थ लोग समझ नहीं पाते हैं. इस तरह के शब्दों के अर्थ में अंतर भी बहुत बड़ा नहीं होता है. लेकिन भाषा के जानकार इन्हें स्पष्ट रूप से अलग-अलग अर्थ वाले शब्द मानते हैं. ऐसे ही दो शब्द हैं निर्देशक और निदेशक. इसके लिए अंग्रेजी में डायरेक्टर शब्द के उपयोग का चलन है. तो फिर दोनों में अंतर क्या है?

निर्देशक और निदेशक आमतौर पर एक जैसे ही शब्द समझे जाते हैं. ये उन व्यक्तियों के लिए उपयोग में लाए जाते हैं, जो टीम में काम करने वालों को निर्देश देते हैं. ऐसे व्यक्ति को निर्देशक और निदेशक कहा जाता है. यह अर्थ अंग्रेजी के डायरेक्टर शब्द के लिहाज से सटीक कहा जा सकता है।

फिर भी दोनों शब्दों में अंतर है. निर्देशक का मतलब उस व्यक्ति से है जो किसी काम को सही या बेहतर तरह से करवाता है. निर्देशक जो कहता है वे एक सुझाव होता है. हालांकि, जरूरी नहीं है कि निर्देशक की हर बात मानी ही जाए.निर्देशककी बात मानने वाला उससे सहमत होता है और तभी उसकी बात का पालन भी करता है.

निदेशक एक प्रशासनिक पद है. वह आदेश जारी करता है और उसके आदेशों का पालन करना अनिवार्य होता है. प्रशासनिक कार्यों में निर्देशन का कार्य भी निदेशक के जिम्मे होता है. निर्देशक किसी संस्था का सर्वोच्च पद होता है जिसका मुख्य कार्य प्रबंधन से अधिक जुड़ा होता है।

एक और अंतर यह भी है कि जहां निर्देशक एक व्यक्ति होता है, वहीं निदेशक एक पद होता है. जहां निदेशक किसी प्रशासन से जुड़ा शब्द होता है. उसका वहीं ज्यादा इस्तेमाल होता देखा जाता है. वहीं निर्देशक कला के क्षेत्र में ज्यादा उपयोग में लाया जाता है. फिल्मों में निर्देशक होते हैं. यहीं दोनों शब्दों के बीच अंतर को समझने के लिए निर्देश और आदेश के बीच के अंतर से भी समझा जा सकता है. आदेश बाध्य होता है. निर्देश एक तरह का सुझाव होता है जिससे कार्य बेहतर हो सकता है.

पहाड़ की बेटी ने पायलट बनकर बढ़ाया प्रदेश का मान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल 26 जनवरी : पहाड़ की जिंदगी मुश्किल ही सही, लेकिन यहां की बेटियां इन मुश्किलों पर जीत पाने का हुनर खूब जानती हैं। पौड़ी की रहने वाली आरुषि नेगी ऐसी ही शख्सियत हैं। आरुषि ने पायलट बनकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। अब वो एस्ट्रोनॉट बनना चाहती हैं। आरुषि पौड़ी के भितांई गांव की रहने वाली हैं। पायलट बनने के बाद जब वो पहली बार अपने पैतृक गांव पहुंचीं तो गांव वालों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। ग्रामीणों और पौड़ी के विभिन्न संगठनों ने आरुषि का जोरदार स्वागत किया। साथ ही जगह-जगह मिठाई भी बांटी। आरुषि ने साल 2019 से कनाडा में रहकर ऑनर्स इन साइंस एंड एविएशन का डुएल डिग्री कोर्स किया था। जिसके बाद उन्हें पायलट का लाइसेंस मिल गया है। आरुषि नेगी की इस उपलब्धि पर जहां उनके माता-पिता खुशी से फूले नहीं समा रहे, वहीं ग्रामीणों ने भी मिठाई बांटकर अपनी खुशी जताई है।

आरुषि की माता हिमानी नेगी ने बताया कि बचपन से ही आरुषि एस्ट्रोनॉट बनना चाहती थीं। पायलट बनकर उन्होंने इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। पिता केसर सिंह नेगी ने बताया कि उन्होंने कभी भी अपनी बेटी के सपनों को टूटने नहीं दिया। बेटी को विदेश में पढ़ाया और आज उनकी बेटी पायलट बन घर लौटी है। पायलट बनने के बाद आरुषि अब एस्ट्रोनॉट बनने के सपने बुन रही हैं।

मुस्लिम घर में जन्मा राम रहीम 22 जनवरी को हुआ जन्म

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जनवरी, 22 जनवरी को अयोध्या नगरी श्रीराम के नारों से गूंज उठी। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की गई। हिंदू तो हिंदू मगर मुस्लिम परिवार भी खुशी से झूम उठे, जिसके बाद हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल नजर आई। इस बीच कल ही के दिन उत्तर प्रदेश के फिरोजपुर में मुस्लिम परिवार में एक बच्चे का जन्म हुआ।अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के दिन सोमवार को फिरोजाबाद में एक मुस्लिम महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया और हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश देते हुए उसका नाम राम रहीम रखा। जिला महिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. नवीन जैन ने बताया कि सोमवार को महिला फरजाना ने एक बच्चे को जन्म दिया।डॉ. जैन ने कहा, बच्चा और मां दोनों ठीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि बच्चे की दादी हुस्ना बानो ने उसका नाम राम रहीम रखा है। बानो ने कहा कि उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश देने के लिए बच्चे का नाम राम रहीम रखा है। बताते चलें कि कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की कार्यवाहक प्रभारी सीमा द्विवेदी ने कहा कि सोमवार को यहां 25 बच्चे पैदा हुए।

संपादकीय

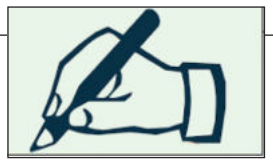

गठबंधन से पहले अलगाव

हमने पहले भी लिखा है कि विपक्ष का गठबंधन टूटने के लिए बनता है। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। इस बार 'इंडिया' का प्रयोग कुछ भिन्न और व्यापक लग रहा था, लेकिन दो अलगाव ऐसे घोषित किए गए हैं कि विपक्षी गठबंधन की संभावनाएं प्रभावहीन लगती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने 'इंडिया' का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं 'अंतिम' हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लडने में सक्षम है। ममता 'इंडिया' की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ ज़हर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाडना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच ज़हरीला अलगाव इस हद तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना 'इंडिया' गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर 'शून्य' ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए। दरअसल विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के करीब 7 माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा?

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद्, देहरादून।

Website-www.ukmadarsaboard.org.in, Email ID- ukmadarsaboard@gmail.com

उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद्, देहरादून का कार्य/उपलब्धियां:-

1. उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद् का मुख्य कार्य मदरसों का पंजीकरण/मान्यता प्रदान कर उन्हें आधुनिक शिक्षा से जोड़ना है।
2. राज्य के अल्पसंख्यकों विशेषकर मुस्लिम समुदाय हेतु मदरसा अरबी फारसी यथा मुंशी/मौलवी (हाईस्कूल) एवं आलिम अरबी फारसी (इण्टरमीडिएट) आदि की परीक्षा कराना तथा अरबी फारसी के साथ-2 एन.सी.ई.आर.टी. का पाठ्यक्रम संचालित कराना।
3. मान्यता प्राप्त समस्त मदरसों को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (PM POSHAN) योजना से आच्छादित कराने का प्रयास करना।
4. मदरसों में साफ-सफाई एवं दस्तावेजों के सही सुदृढ़ रखने हेतु आदेशित किया गया।
5. उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा आधुनिकीकरण सहायता नियमावली, 2019 योजनान्तर्गत मदरसों में RO, फर्नीचर, कम्प्यूटर आदि पठन-पाठन से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराने हेतु कार्यवाही करना।
6. मदरसों को अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना जिससे मदरसे भारत सरकार/राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके।
7. वर्ष 2022-23 की अरबी फारसी परीक्षाओं यथा मुंशी, मौलवी एवं आलिम आदि का आयोजन प्रदेश के 10 परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक किया गया, जिसका परीक्षाफल 93.91 प्रतिशत रहा। वर्ष 2023-24 के आवेदन फार्मों के ऑनलाईन भरे जाने की कार्यवाही गतिमान हैं।
8. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम- अप्रैल, 2023 एवं अगस्त, 2023 के अन्तर्गत मदरसों के छात्र-छात्राओं को कृमि मुक्ति दवा "ऐल्बेन्डाजॉल" का सेवन कराया गया।
9. मदरसों के छात्र-छात्राओं को अनिमिया की बीमारी से बचाने हेतु स्वास्थ्य विभाग के साथ जुड़कर कार्य करना।

(अब्दुल यामीन)
उप रजिस्ट्रार,

(राजेन्द्र कुमार)
निदेशक,

(मुफ्ती शमून कासमी)
अध्यक्ष,

पहले ही दिन से युवाओं पर खास ध्यान दे रही है युवा सरकार : डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 26 जनवरी , भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला व विधानसभा ऋषिकेश की ओर से राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नमो नवमतदाता सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। इस दौरान बड़ी स्क्रीन पर डॉ अग्रवाल ने युवा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वचनों को युवाओं ने देखा व सुना। कार्यक्रम का शुभारंभ कर मंत्री डॉ अग्रवाल ने नव मतदाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे सीएम पुष्कर धामी अब तक के सबसे युवा सीएम हैं। साथ ही उनकी सरकार को युवा सरकार कहा जाता है। जो कि पहले ही दिन से युवाओं पर खास ध्यान दे रही है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने एक वर्ष पूर्ण होने से पहले ही देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लाकर सरकार ने साफ कर दिया कि किसी भी तरह युवाओं के सपनों और रोजगार के साथ किसी को भी खेलने का हक नहीं दिया जाएगा। सीएम धामी ने सरकार के एक साल पूरे होने पर भी युवाओं को कई सौगात दी है।डॉ अग्रवाल ने कहा कि साइंस और टेक्नोलॉजी इनोवेशन

पॉलिसीश धामी सरकार युवाओं और स्किल के साथ टेक्नोलॉजी को लेकर खास ध्यान दे रही है। इसके लिए सीएम ने घोषणा कि उत्तराखण्ड राज्य साइंस टेक्नोलॉजी और इन्फोमेंशन टेक्नोलॉजी कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जायेगा। साथ ही राज्य सरकार इस क्षेत्र में शीघ्र ही 'साइंस और टेक्नोलॉजी इनोवेशन पॉलिसीश लायेगी।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि खेल विश्वविद्यालय खोलने का ऐलान खेल और खिलाड़ियों पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। इसी के तहत सरकार ने प्रदेश में पहला खेल विश्वविद्यालय खोलने का ऐलान किया है। सीएम ने घोषणा कि हल्द्वानी गौलापार में स्थापित अन्तरराष्ट्रीय स्टेडियम को उच्चीकृत कर अन्तरराष्ट्रीय मानकों का खेल विश्वविद्यालय स्थापित किया जायेगा।डॉ अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार योजना राज्य में मुख्यमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार योजना प्रारम्भ की जायेगी। जिसमें स्नातक पास छात्र एवं छात्राओं को आवश्यक रूप से दक्ष बनाया जायेगा। जिला सेवायोजन एवं कौशल विकास कार्यालय को स्वरोजगार केन्द्र के नोडल कार्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा।डॉ अग्रवाल ने कहा कि चलती-फिरती प्रयोगशाला, चलते-फिरते स्कूल स्कूली शिक्षा पर भी फोकस करते हुए सीएम धामी ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कक्षा 6 से ही कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की शिक्षा को लागू करने का ऐलान किया साथ ही प्रदेश के सभी 13 जनपदों में लैब ऑन व्हील्स चलती-फिरती प्रयोगशाला स्थापित करने की घोषणा की। श्रमिकों के बच्चों को भी स्कूली शिक्षा देने के लिए राज्य सरकार मोबाईल स्कूल (चलते-फिरते स्कूल) प्रारम्भ करेगी।इस दौरान जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा, मण्डल अध्यक्ष दिनेश पयाल, जिला प्रभारी युवा मोर्चा प्रतीक कालिया, विधानसभा विस्तारक सतेंद्र, कार्यक्रम संयोजक विकास नेगी, जिला महामंत्री शिवम टुटेजा, मण्डल अध्यक्ष जगावर सिंह, जयम शर्मा, सागर गिरी, निखिल बर्थवाल, जिला मंत्री सन्दीप शर्मा, जिला उपाध्याय अक्षय खैरवाल, कार्यक्रम का संचालन सुजीत यादव, मनीष भट्ट आदि उपस्थित रहे।

15 दिनों में उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ की वेबवाइट एवं पोर्टल तैयार करें : राधा रतूड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जनवरी , अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने अधिकारियों को अगले 15 दिनों में उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ की वेबवाइट एवं पोर्टल तैयार करने की डेडलाइन दी हैं। इसके साथ ही एसीएस ने देश और दुनियाभर में रह रहे उत्तराखण्ड मूल के प्रवासियों का सटीक डाटा बेस प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप राज्य में प्रत्येक वर्ष प्रवासी उत्तराखण्ड दिवस मनाने की परम्परा आरम्भ की जाएगी। सचिवालय में उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ के गठन की औपचारिकताओं को जल्द से जल्द पूरा करने के सम्बन्ध में बैठक लेते हुए एसीएस राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ से जुड़े अधिकारियों को हिदायत दी कि उत्तराखण्ड मूल के प्रवासियों के लिए लॉंच की जाने वाली वेबसाइट पर प्रवासियों को पंजीकरण की सुविधा दी जाए तथा वेबसाइट पर ही उनकी शिकायतों निवारण हेतु सिस्टम विकसित जाए।

एसीएस ने उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ के गठन के लिए अन्य राज्यों के प्रवासी सेल के तुलनात्मक अध्ययन के पश्चात उत्तराखण्ड हेतु एक ठोस एक्शन प्लान बनाने तथा फोकस एरिया तय करने के निर्देश दिए।

श्रीमती राधा रतूड़ी ने निर्देश दिए हैं कि उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ में उत्तराखण्ड मूल के प्रवासियों के भूमि सम्बन्धित एवं अन्य मुद्दों व शिकायतों के निवारण हेतु भी व्यवस्था की जाय। बैठक में उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ के कार्यालय में अधिकारियों एवं कार्मिकों तैनाती, उत्तराखण्ड मूल के प्रवासियों के संबंध में डाटा बेस तैयार करने हेतु देश के विभिन्न राज्यों, शहरों और विदेशों में उत्तराखण्डी प्रवासियों के संगठनों, एसोसिएशन एवं संस्थानों से सहयोग लेने के सम्बन्ध में निर्णय लिए गए।

एसीएस राधा रतूड़ी ने कहा कि उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ दुनिया भर में रह रहे उत्तराखण्ड मूल के लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ने वाले सेतु का कार्य करेगा। इसके साथ ही यह प्रकोष्ठ प्रवासियों के निवेश प्रस्तावों पर शीघ्र कार्यवाही, उनकी समस्याओं के समाधान तथा सरकार एवं प्रवासियों के बीच बेहतर सामंजस्य बनाने में मदद करेगा। बैठक में सचिव आर मीनाक्षी सुन्दरम, विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक सिडकुल रोहित मीणा, सदस्य सुधीर नौटियाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड पुलिस का बढ़ाया मान, इन्हें मिलेगा सम्मान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा गणतंत्र दिवस-2024 के अवसर पर उत्तराखण्ड पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों को विशिष्ट सेवाओं के लिए ₹राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक₹ एवं सराहनीय सेवाओं के लिए ₹सराहनीय सेवा के लिये पदक₹ से सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई है :

राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक

अजय प्रकाश अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड

सराहनीय सेवा के लिये पदक

रिधिम अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक, एस0डी0आर0एफ0अजय सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून। श्वेता चौबे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौड़ी गढ़वाल सुरजीत सिंह, अपर उप निरीक्षक परिवहन, 46 पी0ए0सी0 लक्ष्मण सिंह, हे0का0, 31 पी0ए0सी0 गणेश सिंह, फायर सर्विस चालक, नैनीताल

श्रीमती श्वेता चौबे,
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौड़ी

श्री अजय प्रकाश अंशुमान,
अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था

श्रीमती रिधिम अग्रवाल,
पुलिस महानिरीक्षक, एस0डी0आर0एफ0

श्री अजय सिंह,
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून

तिरंगा यात्रा निकालकर उत्तराखंड मनाएगा गणतंत्र : डॉ. धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ जनपद व ब्लॉक स्तर पर एक किमी तक निकाली जायेगी यात्रा

देहरादून , 26 जनवरी , शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अबकी बार गणतंत्र दिवस के दिन को ख़ास बनाने का फैसला किया है और प्रदेश के सभी जनपद एवं विकासखण्ड स्तर पर तिरंगा यात्रा निकालने का आदेश दिया है। इस तिरंगा यात्रा में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, अध्यापक एवं विभागीय अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होंगे। इसके अलावा तिरंगा यात्रा में क्षेत्रीय विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जायेगी। तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन को लेकर मुख्य शिक्षा अधिकारियों एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने बताया कि 75वें गणतंत्र दिवस पर प्रदेशभर में जिला एवं विकासखंड मुख्यालयों में झंडा रोहण के उपरांत तिरंगा रैली निकाली जायेगी। जिसमें आस-पास के विद्यालयों में अध्ययरत छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं कर्मचारी व जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा क्षेत्रीय विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता भी यात्रा में प्रतिभाग करेंगे। इसी प्रकार विकासखंड स्तर पर क्षेत्रीय विधायक, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्ति तिरंगा यात्रा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

इस संबंध में सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों एवं खंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने को कहा गया है। डॉ. रावत ने बताया कि तिरंगा यात्रा जिला व ब्लॉक मुख्यालय से एक किलोमीटर के अंतर्गत आयोजित की जायेगी। यात्रा में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि व अधिकारी कर्मचारी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के गीतों की धुन के साथ आजादी के लिये अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले अमर शहीदों को याद करेंगे। विभाग की ओर से तिरंगा यात्रा की वीडियोग्राफी भी कराई जायेगी जिसे विभागीय वेबसाइट एवं पेज पर अपलोड किया जायेगा।